Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 27-07-2006

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title : Need to release funds for constructing buildings of primary schools in rural areas of the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, देश में आजादी के 58 साल बीत जाने के बाद भी प्राथमिक शिक्षा की स्थिति अत्यधिक दयनीय है, कहीं विद्यालय नहीं तो कहीं अध्यापकों की कमी है। देश के कुल दस लाख चार हजार स्कूलों में स्थिति यह है कि ग्रामीण अंचल के 30 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालयों की इमारतें आज तक पक्की नहीं हैं जबकि शहरी इलाके में प्राथमिक भवनों के पक्का न होने की संख्या 25.70 प्रतिशत है, देश में कोई भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां सभी प्राथमिक स्कूलों की इमारतें पक्की हों।

राट्रीय शैक्षणिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा देश के 29 राज्यों एवं केन्द्र शासित क्षेत्रों में किए गए सर्वेक्षण के बाद ये तथ्य सामने आए हैं, जिसके अनुसार 41 हजार 79 प्राथमिक स्कूलों की कोई इमारत नहीं है, 14.60 प्रतिशत स्कूलों में केवल एक ही क्लास रूम है, 35.26 प्रतिशत स्कूलों में दो क्लास रूम और 39.96 स्कूलों में तीन अथवा उससे ज्यादा क्लास रूम हैं। एक लाख सात हजार 842 स्कूलों में केवल एक क्लास रूम है, जिनमें 94.73 प्रतिशत स्कूल ग्रामीण इलाके में और 5.17प्रतिशत स्कूल शहरी इलाके में है। असम में 66.22 प्रतिशत स्कूलों में सिर्फ एक ही क्लास रूम है, 68.48 प्रतिशत क्लास रूमों की स्थिति ठीक नहीं है, जबकि 31.52 प्रतिशत क्लास रूमों की मरम्मत करने की जरूरत है।

शिक्षा हमारी तरक्की का आधार है, ग्रामीण अंचल की प्राथमिक शिक्षा का बुरा हाल है। सरकार को चाहिए कि वह प्राथमिक शिक्षा की स्थिति को बेहतर बनाने हेतु धन अवमुक्त करे, जिससे बच्चों के उज्जवल भविय का मार्ग प्रशस्त हो सके।